बाल विज्ञान पत्रिका

नवम्बर 2008 • 15 रुपए

चकमक

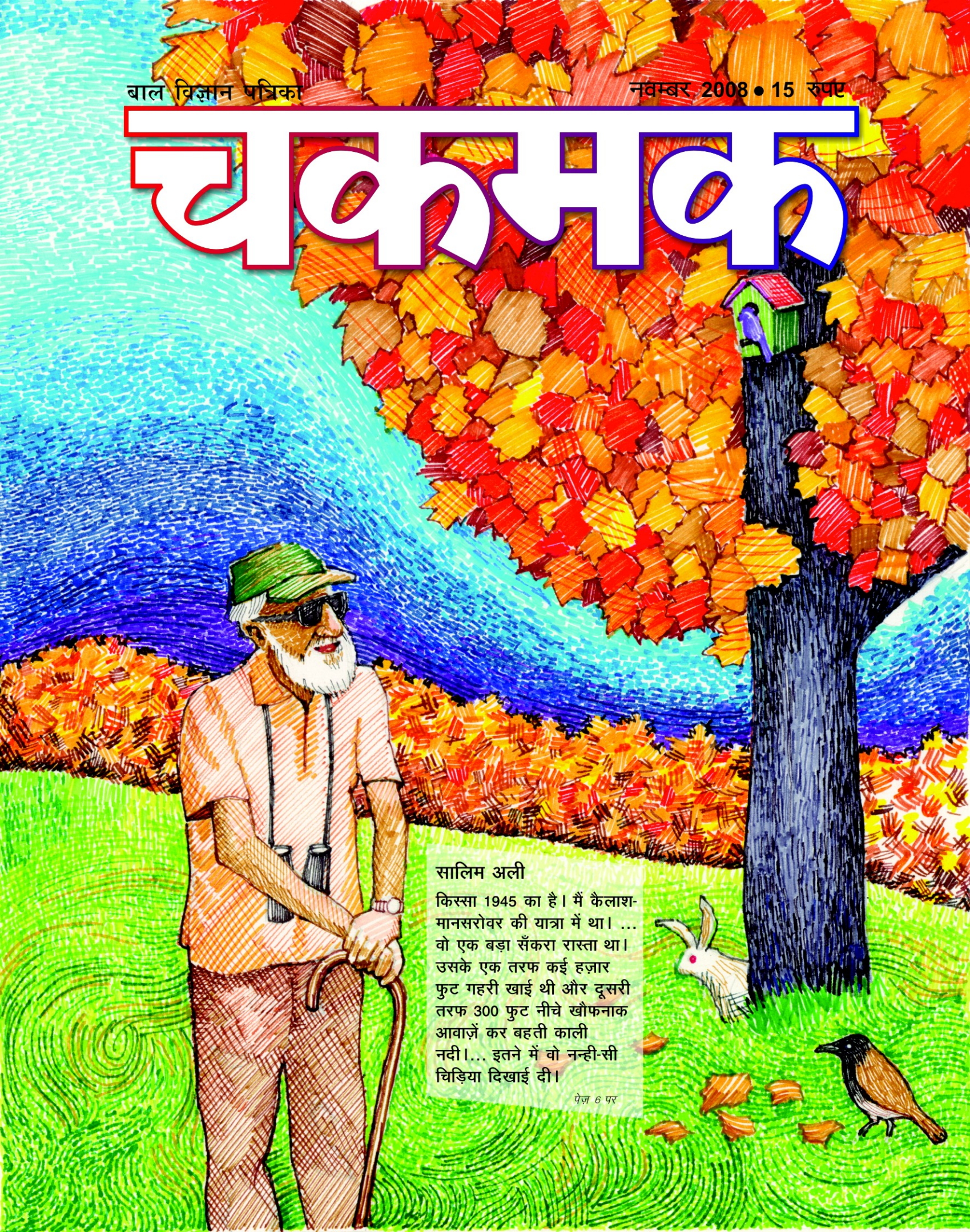

सालिम अली

किस्सा 1945 का है। मैं कैलाश-मानसरोवर की यात्रा में था। ... वो एक बड़ा सँकरा रास्ता था। उसके एक तरफ कई हज़ार फुट गहरी खाई थी और दूसरी तरफ 300 फुट नीचे खौफनाक आवाज़ें कर बहती काली नदी।... इतने में वो नन्ही-सी चिड़िया दिखाई दी।

पेज़ 6 पर